PAPER-III
VISUAL ART

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________________
   (Name) ____________________________
2. (Signature) ____________________________
   (Name) ____________________________

D 7 9 1 0

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No.______________________________
(In words)

Time : 2 $^1/_2$ hours] [Maximum Marks : **200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **19**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।
9. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।

Art Theory Mastery

VISUAL ARTS
दृश्य कला

PAPER – III
प्रश्नपत्र – III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खंड हैं । अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

Art Theory Mastery

SECTION – I
खंड – I

Note : This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 Marks)**

नोट : इस खंड में **बीस–बीस (20)** अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पाँच सौ (500)** शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. (a) Trace the evolution of Cubism in European painting.
यूरोपीय चित्रकला में घनवाद के उद्विकास का ब्योरा उपस्थित कीजिए ।

OR / अथवा

(b) How do you assess the significance of Rodin and Henry Moore as land marks in modern sculpture ?
आधुनिक मूर्तिकला में मीलस्तम्भों के रूप में रोदाँ तथा हेनरी मूर के महत्त्व का आकलन आप कैसे करेंगे ?

OR / अथवा

(c) Critically evaluate the achievements of the Renaissance Art with reference to great masters.
महान् कलाकारों के संदर्भ में पुनर्जागरणकालीन कला की उपलब्धियों का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए ।

OR / अथवा

(d) What are the major principles of Graphic Design and how do they help in creating design ? Explain with suitable examples.
ग्राफिक डिजाइन के प्रमुख सिद्धांतों का उल्लेख कीजिए तथा यह बताइए कि ये डिजाइन के निर्माण में किस प्रकार सहायता करते हैं ? उपयुक्त उदाहरणों के साथ व्याख्या कीजिए ।

OR / अथवा

(e) Explain the prints of Krishna Reddy with his method of viscosity print making process.
कृष्णा रेड्डी के छापा-चित्रों तथा उनके द्वारा अपनाई गई विस्कोसिटी प्रिंट निर्माण-प्रक्रिया की विधि की व्याख्या कीजिए ।

Art Theory Mastery

Art Theory Mastery

Art Theory Mastery

Art Theory Mastery

2. (a) Discuss the development of Deccani School of Painting.
चित्रकला की दक्खिनी शैली के विकास की चर्चा कीजिए ।

OR / अथवा

(b) Critically assess that Classicism of Gupta Art.
गुप्तकालीन कला के शास्त्रीयवाद का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए ।

OR / अथवा

(c) Which phase of Indian Sculpture is considered as formative stage of Indian idiom ? Explain with appropriate examples.
भारतीय मूर्तिकला के किस चरण को भारतीय मुहावरे की रचनाकालीन अवस्था माना जाता है ? उपयुक्त उदाहरणों के साथ व्याख्या कीजिए ।

OR / अथवा

(d) Describe the design of commercial advertising campaign.
वाणिज्यिक विज्ञापन अभियान के डिजाइन का वर्णन कीजिए ।

OR / अथवा

(e) Write an essay on Francesco de Goya's contribution towards the art of aquatint against the socio-political milieu.
सामाजिक राजनीतिक वातावरण के विरुद्ध 'आर्ट ऑफ एक्वाटिंट' में फ्रांसिस्को दि गोया के योगदान पर एक निबंध लिखिए ।

Art Theory Mastery

Art Theory Mastery

Art Theory Mastery

Art Theory Mastery

SECTION – II
खंड – II

Note : This section contains **three (3)** questions from each of the electives/specializations. The candidate has to choose only one elective/specialization and answer all the **three** questions from it. Each question carries **fifteen (15)** marks and is to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 Marks)**

नोट : इस खण्ड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता से **तीन** (3) प्रश्न हैं । अभ्यर्थी को केवल **एक** ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता को चुनकर उसी के **तीनों** प्रश्नों का उत्तर देना है । प्रत्येक प्रश्न **पन्द्रह** (15) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग **तीन सौ** (300) शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

Drawing & Painting
ड्राइंग तथा पेंटिंग

3. What is Fauvism ? Describe its chief characteristic features with reference to Matisse.
फाववाद क्या है ? मातिस के संदर्भ में इसकी प्रमुख अभिलक्षणात्मक विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।

4. Compare the characteristic features of Folk and Classical Art.
लोक तथा शास्त्रीय कला की अभिलक्षणात्मक विशेषताओं का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत कीजिए ।

5. Discuss the abstract elements in the art of J. Swaminathan.
जे. स्वामीनाथन की कला में अमूर्त तत्त्वों की चर्चा कीजिए ।

OR / अथवा

Art Theory Mastery

Sculpture
मूर्तिकला

3. Describe the Chola Bronzes with special reference to the Nataraj image.
चोल कांस्य मूर्तियों का वर्णन नटराज की मूर्ति के विशेष संदर्भ में कीजिए ।

4. Critically assess the work of Ramkinkar Baij with reference to Santhal family.
संथाल परिवार के संदर्भ में रामकिंकर बैज के कार्य का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए ।

5. Describe the contribution of Brancusi to the modern Sculpture.
आधुनिक मूर्तिकला में ब्रांकुसी के योगदान का वर्णन कीजिए ।

OR / अथवा

History of Art
कला इतिहास

3. Define the word Baroque and discuss its salient features with reference to the sculptures of Gianlorenzo Bernini.
'बरोक' शब्द को परिभाषित कीजिए तथा गियानलोरेंजो बर्निनी के मूर्ति शिल्प के संदर्भ में इसकी प्रमुख विशेषताओं की चर्चा कीजिए ।

4. Describe the Nagar Style of Temple with special reference to Khajuraho group of Temples.
खजुराहो के मंदिर समूह के विशेष संदर्भ में नागर शैली के मंदिर का वर्णन कीजिए ।

5. Discuss the Hegelian triad.
हीगल की त्रयी की चर्चा कीजिए ।

OR / अथवा

Print Making
छापा-चित्रण

3. Write about Carol Summer and his printing methods.
कैरोल समर तथा उनकी छापा-चित्रण विधि के बारे में लिखिए ।

4. Discuss Rembrandt's Dry Point and Etching.
रेम्ब्रां के ड्राइ प्वायंट तथा एचिंग की विवेचना कीजिए ।

5. What is the contribution of Somenath Hore in print making ? Explain his techniques of print making.
छापा-चित्रण में सोमनाथ होर का क्या योगदान है ? उनकी छापा-चित्र तकनीक की व्याख्या कीजिए ।

OR / अथवा

Applied Art
व्यावहारिक कला

3. Describe different printing Medias and explain any one of them.
विभिन्न मुद्रण माध्यमों का वर्णन कीजिए तथा उनमें से किसी एक की व्याख्या कीजिए ।

4. What is Multimedia presentation ? Discuss its role in graphic design.
मल्टीमीडिया प्रस्तुतीकरण क्या है ? ग्राफिक डिजाइन में इसकी भूमिका की विवेचना कीजिए ।

Art Theory Mastery

5. What is Brand image and how does it help in promotion of sale ?
'ब्रैंड इमेज' क्या है तथा बिक्री बढ़ाने में यह किस प्रकार सहायता करती है ?

Art Theory Mastery

Art Theory Mastery

Art Theory Mastery

Art Theory Mastery

Art Theory Mastery

Art Theory Mastery

Art Theory Mastery

Art Theory Mastery

SECTION – III
खंड – III

Note : This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks, each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 Marks)**

नोट : इस खंड में **दस-दस** (10-10) अंकों के **नौ** (9) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास** (50) शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. Explain "monumentality" in sculpture.
मूर्तिकला में 'स्मारकीयता' की व्याख्या कीजिए ।

7. What is installation art ?
अधिष्ठापन कला क्या है ?

Art Theory Mastery

8. Write the manifesto of Futurism.
भविष्यवाद का घोषणापत्र लिखिए ।

Art Theory Mastery

9. Write in which print media Mono and Lino are included. And what is their present status ?
यह बताइए कि किस मुद्रित माध्यम में मोनो तथा लिनो शामिल हैं तथा इनकी वर्तमान स्थिति क्या है ?

10. Describe Logo and Symbol.
लोगो तथा सिंबल का वर्णन कीजिए ।

Art Theory Mastery

11. What is catharsis ?
विरेचन क्या है ?

Art Theory Mastery

12. Write about Sadrishya and Praman.
सादृश्य तथा प्रमाण के बारे में लिखिए ।

13. Write a brief note on Gol Gumbaj of Bijapur.
बीजापुर के गोल गुंबज पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए ।

Art Theory Mastery

14. Describe the aesthetic merits of Banithani miniature of Kishangarh style.
किशनगढ़ शैली के बनी-ठनी लघुचित्र की सौंदर्यात्मक विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।

Art Theory Mastery

SECTION – IV
खंड – IV

Note : This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

(5 × 5 = 25 Marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच** (5) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस** (30) शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच** (5) अंकों का है । **(5 × 5 = 25 अंक)**

Unfortunately, in India today, art plays an unimportant part in the curriculum of most schools because of lack of understanding of its purpose. The standard of art teaching itself is also generally low. Students are rarely initiated into art appreciation. Few, if any, schools have good reproductions of works of art. The design of school buildings, equipment and books is often unsatisfactory and children's taste is naturally formed by the environment.

Today, with the concept of art becoming flexible, our understanding of the meaning of art is constantly being challenged and extended. In the West there has been a shift from 'art education' to 'design education'. One of the aims of the design education is to develop a critical understanding of human needs and to evaluate the extent to which these needs have been adequately met – the needs that affect our environment, i.e. all that surrounds us and is received by our senses, and indeed our lives. A need has been felt to look for new relationships and new processes of learning and evaluation, which may deviate from the inherited cultural values. Design education aims to develop a genuine educational language of visual form, a 'visual literacy', which is different from the 'literacy and numeracy' around which the major traditions in education have been revolving.

It is felt that so far the tendency has always been to consider art as a decoration of life rather than central to it. Alternatively craft has been considered as purely vocational, without intellectual merit. These attributes have restricted both these areas from contributing to the mainstream of education. However, design education, perhaps, can bring them together. Until we recognise the usefulness of design education in art-craft activity for the healthy disciplining of the senses, and develop deeper and wholesome responses to fellow beings and the environment, we cannot hope for a better society in the present critical stage of transition in our country.

कला के उद्देश्य की समझ में कमी के कारण दुर्भाग्यवश, आजकल भारत में, अधिकतर विद्यालयों के पाठ्यक्रमों में कला को महत्त्वहीन स्थान दिया जाता है । कला की शिक्षा का स्तर भी सामान्यत: निम्न है । कला-प्रशंसा के प्रति छात्रों को बिरले ही प्रवर्तित किया जाता है । ऐसे विद्यालय, यदि हों भी तो, कम हैं जहाँ कला की कृतियों का उत्तम पुनर्प्रस्तुतीकरण उपलब्ध हो । विद्यालय भवन, उपकरणों तथा पुस्तकों का अभिकल्प बहुधा असंतोषजनक होता है तथा बच्चों की सुरुचि का सृजन नैसर्गिक रूप से परिवेश द्वारा ही होता है ।

कला की नमनीयता की अवधारणा के साथ, आजकल, कला के अर्थ के बारे में हमारी समझ को निरंतर चुनौती मिल रही है तथा यह समझ विस्तारित हो रही है । पाश्चात्य देशों में 'कला-शिक्षा' से हट कर 'अभिकल्प

Art Theory Mastery

शिक्षा' पर बल दिया जा रहा है । अभिकल्प शिक्षा के लक्ष्यों में से एक है – मनुष्य की आवश्यकताओं के प्रति एक समालोचनात्मक समझ विकसित करना तथा उस परिसीमा का मूल्यांकन करना जिस सीमा तक इन आवश्यकताओं की पर्याप्त पूर्ति हो रही है – उन आवश्यकताओं की जो हमारे परिवेश को प्रभावित करती हैं अर्थात् जो हमारे चारों ओर व्याप्त तथा इंद्रियों द्वारा ग्राह्य सभी चीजों और वस्तुत: हमारे जीवन को प्रभावित करती हैं । ऐसे नवीन संबंधों तथा ज्ञानप्राप्ति एवं मूल्यांकन की नयी प्रक्रियाओं को खोजने की आवश्यकता महसूस की जा रही है जो विरासत में प्राप्त सांस्कृतिक मूल्यों से हट कर हों । अभिकल्प शिक्षा का लक्ष्य एक प्रामाणिक दृश्यपरक शैक्षिक भाषा को विकसित करना है, जो 'साक्षरता तथा संख्यात्मक साक्षरता' से भिन्न है, जिनके इर्द-गिर्द शिक्षा की प्रमुख परम्पराएँ घूमती रही हैं ।

ऐसा महसूस किया जाता है कि अब तक सदैव ही कला को जीवन के अलंकरण के रूप में, न कि जीवन के केंद्र के रूप में, माना जाता रहा है । दूसरी ओर, दस्तकारी को बौद्धिक गुणों से विहीन एक धंधा मात्र माना जाता रहा है । इन लक्षणों ने इन दोनों क्षेत्रों को शिक्षा की मुख्य धारा में योगदान करने से रोक रखा है । तथापि, अभिकल्प शिक्षा इन दोनों को एकसाथ ले आ सकती है । जब तक हम कला तथा दस्तकारी से जुड़ी गतिविधियों की उपयोगिता को स्वीकार नहीं कर लेते तथा अपने संगी-साथियों एवं परिवेश के प्रति गहन तथा हितकारी अनुक्रिया विकसित नहीं करते, तब तक अपने देश में हो रहे परिवर्तन की वर्तमान नाजुक अवस्था में हम एक बेहतर समाज की आशा नहीं कर सकते ।

15. Write the conceptual difference between Art and Craft.
कला तथा दस्तकारी की अवधारणात्मक भिन्नता को स्पष्ट कीजिए ।

16. How does Art education play major role in personality building ?
व्यक्तित्व निर्माण में कला-शिक्षा किस प्रकार महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है ?

17. Explain how Design-education leads to Visual Literacy.
अभिकल्प-शिक्षा किस प्रकार दृश्यात्मक साक्षरता उत्पन्न करती है ? व्याख्या कीजिए ।

18. In India now a day's Art is considered unimportant in curriculum. What is your point of view in this regard ?
भारत में आजकल कला को पाठ्यक्रम में महत्त्वहीन माना जाता है । इस विषय में आपका दृष्टिकोण क्या है ?

Art Theory Mastery

19. Art education in fact promotes aesthetic concept of a person which ultimately helps to promote natural environment, elucidate it.
कला-शिक्षा वास्तव में एक व्यक्ति की सौंदर्यबोधपरक अवधारणा को बढ़ावा देती है, जो अंततः नैसर्गिक परिवेश को बढ़ावा देती है । विस्तृत व्याख्या कीजिए ।

Art Theory Mastery

Space For Rough Work

Art Theory Mastery

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....

Art Theory Mastery